Literacy for a Billion

Movie: Anpadh
Year: 1962

Song: Hain Isi Main Pyar Ki Aabroo
Lyricist: R M Ali Khan

है इसी में प्यार की आबरू
वो जफ़ा करें मैं वफ़ा करूँ
जो वफ़ा भी काम ना आ सके
तो वही कहें के मैं क्या करूँ
है इसी में प्यार की आबरू

मुझे ग़म भी उनका अज़ीज़ है
के उन्ही की दी हुई चीज़ है
मुझे ग़म भी उनका अज़ीज़ है
के उन्ही की दी हुई चीज़ है
के उन्ही की दी हुई चीज़ है

यही ग़म है अब मेरी ज़िन्दगी
इसे कैसे दिल से जुदा करूँ
है इसी में प्यार की आबरू

जो ना बन सके मैं वो बात हूँ
जो ना ख़त्म हो मैं वो रात हूँ
जो ना बन सके मैं वो बात हूँ
जो ना ख़त्म हो मैं वो रात हूँ

जो ना ख़त्म हो मैं वो रात हूँ
ये लिखा है मेरे नसीब में
यूँ ही शम्आ बनके जला करूँ
है इसी में प्यार की आबरू

न किसीके दिल की हूँ आरज़ू
न किसी नज़र की हूँ जुस्तजू
न किसीके दिल की हूँ आरज़ू
न किसी नज़र की हूँ जुस्तजू
न किसी नज़र की हूँ जुस्तजू
मैं वो फूल हूँ जो उदास हो
ना बहार आए तो क्या करूँ

है इसी में प्यार की आबरू
वो जफ़ा करें मैं वफ़ा करूँ
जो वफ़ा भी काम ना आ सके
तो वही कहें के मैं क्या करूँ
है इसी में प्यार की आबरू

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.